ये अव्यक्त इशारे

ज्वालास्वरूप स्थिति में रह शक्तिशाली याद का अनुभव करो

25-07-2026

ज्वाला स्वरूप की स्थिति का अनुभव करने के लिए निरन्तर याद की ज्वाला प्रज्वलित रहे। इसकी सहज विधि है - सदा अपने को ''सारथी'' और ''साक्षी'' समझकर चलो। आत्मा इस रथ की सारथी है - यह स्मृति स्वत: ही इस रथ (देह) से वा किसी भी प्रकार के देहभान से न्यारा बना देती है। स्वयं को सारथी समझने से सर्व कर्मेन्द्रियाँ अपने कन्ट्रोल में रहती हैं। सूक्ष्म शक्तियां ''मन-बुद्धि- संस्कार'' भी ऑर्डर प्रमाण रहते हैं।

Stay in the volcanic stage and experience powerful remembrance.

In order to make your stage as powerful as a fire, keep the fire of your remembrance constantly ignited. The easy way to do this is constantly to consider yourself to be a charioteer and a detached observer. You, the soul, are the charioteer of your chariot. This awareness will detach you from your body and any type of body consciousness. By considering yourself to be a charioteer, you can control all your physical senses. Even the subtle powers of your mind, intellect and sanskars will remain in order